Lecture No - (61)

Name of the college - APSM College, Barauni, Begusarai
Name —— Dr. Bharti Kumari (G.T)
Deptt — AIH&C

Date - 08-04-2021
Lession plan — BA, AIH&C(H), part-I, paper-1

Name of the topic — Mahmood Gaznavi Ke bharat par AKraman Ke Karan.

महमूद गजनवी के भारत पर आक्रमण के कारण

महमूद गजनवी के भारत पर आक्रमण के निम्नलिखित कारण थे।

(1) धन - सम्पदा की प्राप्ति
(2) हाथियों को प्राप्त करने की लालसा
(3) इस्लाम धर्म का प्रचार
(4) मंदिरों तथा मूर्तियों का विध्वंस करना
(5) साम्राज्य की स्थापना

(1) धन - सम्पदा की प्राप्ति :— महमूद का भारत पर आक्रमण करने का प्रमुख कारण धन - सम्पदा की प्राप्ति था। उसमें अदम्य साहस, शक्ति, और नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता थी। वह अपने राज्य को समृद्धशाली बनाना चाहता था; शासन को पुनर्गठित करना चाहता था। राज्य का विस्तार और पड़ोसी राज्यों के आक्रमणों से उसे सुरक्षित बनाना चाहता था। इन सबके लिए उसे अपार धन की आवश्यकता है। अतः उसने भारतीय धन-सम्पदा को हथियाने का निश्चय किया - प्रो० हबीब का मत है कि महमूद धन का लालची पहले था, और धार्मिक व्यक्ति बाद में।

P.T.O.

हैवेल का कहना है कि उसने भारत के प्रसिद्ध सोमनाथ के मंदिर से अपार धन लूटा।

(2) हाथियों को प्राप्त करने की लालसा :- महमूद गजनवी मध्य एशियाई शत्रुओं के राज्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी सेना में हाथियों की सेना रखना चाहता था। अतः हाथियों को प्राप्त करने की दृष्टि से भी वह प्रतिवर्ष भारत पर आक्रमण करने लगा।

(3) इस्लाम धर्म का प्रचार :- महमूद के भारतीय आक्रमणों का मुख्य उद्देश्य इस्लाम धर्म का प्रसार करना था किन्तु इस सम्बंध में विद्वानों में अनेक मतभेद हैं। पहले मत के समर्थकों का तर्क है कि खलीफा द्वारा प्रदत्त सम्मान ने उसकी धार्मिक भावना को अवश्य प्रोत्साहित किया गया होगा। वह स्वयं को इस्लाम का प्रचारक एवं संरक्षण समझने लग गया हो। महमूद के समकालिन अलबरूनी का कहना है कि महमूद ने काफिरों के देश में इस्लाम का प्रचार करने के लिए आक्रमण किये थे। वस्तुतः महमूद इस्लाम जगत में अपना गौरव बढ़ाना चाहता था और इसके लिए भारत में इस्लाम का प्रचार बहुत उत्तम साधन था।

दूसरे मतके अनुसार, महमूद एक धर्मान्ध प्रचारक की अपेक्षा विजेता अधिक था। प्रो० हबीब एवं जाफर लिखते हैं कि 'महमूद ने भारत पर आक्रमण धार्मिक उद्देश्यों को लेकर नहीं अपितु लूट के लालच में किये थे'। वस्तुतः महमूद का भारत पर आक्रमण करने का उद्देश्य धन प्राप्ति के साथ-साथ काफिरों का मूलोच्छेदन और इस्लाम का प्रचार कर इस्लामी जगत में मान-सम्मान प्राप्त करना था।

(4) मंदिरों तथा मूर्तियों का विध्वंस करना :- महमूद भारत

P.T.O.

Scanned with CamScanner

के मंदिरों को तोड़कर अपार धन प्राप्त करना चाहता था। अतः हिन्दू देवी देवताओं की मूर्तियों को तोड़ने - फोड़ने के कारण ही वह अपने आपको "बुतशिकन" (मूर्ति भंजक) कहा था।

⑤ साम्राज्य की स्थापना :-

महमूद के आक्रमणों का उद्देश्य भारत में अपना साम्राज्य स्थापित करना भी था। इसीलिए उसने पंजाब को अपने साम्राज्य का अंग बनाया था, किन्तु अन्य बातों से स्पष्ट होता है। कि वह न तो भारत में अपना साम्राज्य स्थापित करना चाहता था, न भारत में अपना शासन प्रतिष्ठित करना चाहता था। पंजाब को साम्राज्य में मिलाने का एकमात्र कारण उसे अपना शासन प्रतिष्ठित करना चाहता था। पंजाब को साम्राज्य में मिलाने का एकमात्र कारण इसे अपना आधार स्थल बनाकर बार-बार भारत पर आक्रमण करने की सुविधा प्राप्त करना था। अन्यथा महमूद ने कन्नौज, कालिंजर तथा सोमनाथ तक विजयें प्राप्त की थी। किन्तु उसने इन प्रदेशों को न तो अपने साम्राज्य में मिलाया, न यहाँ अपने अधिकारी नियुक्त किये। इसका प्रमुख कारण यह था कि यदि वह भारत में साम्राज्य स्थापित करने की सोचता, तो उसे मध्य एशिया के अपने पैतृक राज्य को खो देने का भय था, तथा भारत की गर्म जलवायु उसे पसंद न थी।

भारती कुमारी
08-04-2024
M.D.H.S.C